

23.11.2022 पणजी पत्रि दृष्टी

~~खाणें वहीर उपस्थित। विधान सं. 102 क~~

~~वहीर उप. 1) प्रो विधान सं. एकनाम।~~

~~इति मूल वाद प्रस्तावित र्हे वेंचविल्लय  
के विद्व पर कार्यरत से उला हो।~~

~~विधान इत प्रजित, को आगे चलते  
का जोई अधिपद प्रीर तर्ज सेल हो~~

~~दोन मूल वाद की तर्ज पर पद प्रजित  
हो मूल पर कार्यरत प्रीर जात हो।~~

~~पणजी मंडळ इतर विषय बाबत  
दखल हो~~

23/11/2022  
अध्यक्ष कार्यालय  
BDO सिणधरी

